HD-02

December - Examination 2016

B.A. Pt. I Examination

हिन्दी गद्य भाग–II (कथा साहित्य)

Paper - HD-02

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। खण्ड में दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दिजिए।

(i) 'सरस्वती' पत्रिका के सम्पादक कौन थे?

(ii) फणीश्वरनाथ रेणू के आँचलिक उपन्यास का नाम लिखिए।

(iii) कहानी रचना के किन्हीं दो तत्वों के नामोल्लेख कीजिए।

(iv) ''कयामत आई है और लपटन साहब की वर्दी पहन कर आई है।'' इस बारे में लहनासिंह ने वजीरा सिंह से क्या कहा?

(v) 'पत्नी' कहानी में कालिंदीचरण ने आतंकवाद के किन प्रमुख दोषों का उल्लेख किया है?

(vi) 'परमात्मा का कुत्ता' कहानी में व्यंग्य के निशाने पर कौन–कौन हैं?

(vii) गजाधर बाबू के रेल्वे–क्वार्टर का जीवन कैसा था?

(viii) 'नीलकान्त का सफर' कहानी के रचयिता कौन हैं?

(ix) 'आशा अमरधन' कहानी का उद्देश्य क्या है?

(x) 'निर्मला' उपन्यास में 'विधवा' की स्थिति का किस प्रकार चित्रण हुआ है?

(खण्ड – ब) **4 × 10 = 40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। शब्द सीमा लगभग 200 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) उपन्यास एवं कहानी में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

3) लहनासिंह के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

4) 'चीफ की दावत' कहानी में मध्यवर्गीय परिवेश किस प्रकार व्यक्त हुआ है? स्पष्ट कीजिए।

5) निम्न गद्यांश की व्याख्या कीजिए –

''वह भयभीत थी; पहला भय उसे अरुण के लिए उत्पन्न हुआ, यदि वह सफल न हुआ तो। फिर सहसा सोचने लगी–वह क्यों सफल हो? श्रावस्ती दुर्ग एक विदेशी के अधिकार में क्यों चला जाए? मगध का चिर शत्रु! ओह! उसकी विजय।''

6) निम्न गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। –

''और उधर बच्चों की झोपड़ी में गोधूली का उजास सिमटने लगा तो अटपटी वानी में भाई ने पूछा, ''साँझ ढ़लने में सब कितनी देर है? माँ और बापू कब आएँगे।'' भाई को आश्वस्त करने के लिए बहुत पुचकार कर बोली ''साँझ तो उनके आने पर ही होगी। उनके आये बिना भला साँझ कैसे हो सकती है? आधी रात ढलने पर उसने फिर पूछा, ''क्या साँझ हो गयी? बहुत उसे थपथपाते कहने लगी, ''साँझ पड़ती तो माँ–बापू आ नहीं जाते? अभी साँझ होने में काफी देर है। और इस झोपड़ी में पूरे बरस तक साँझ पड़ी ही नहीं।''

7) निम्न गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। –

''खैर, सेठजी चिन्ता न करें, नीलकान्त इन तकलीफों के बारे में तभी तक सोचेंगे, जब तक उन्हें बैठने के लिए ठीक – ठाक जगह नहीं मिल जती या हद से हद जब तक यह सफर जारी है। गाड़ी से उतर जाने पर वह गाड़ी के बारे में सब भूल जाएँगे और फिर वही सोचने लगेंगे जो सेठ लोग सोचवाना चाहते हैं। पर क्या पता? अगर कल कोई दूसरी तकलीफ आयी–आयेगी ही और वे सोचने लगे कि उसका असली जिम्मेदार कौन है– तो?''

8) 'महाभोज' उपन्यास समाज की किन–किन विद्रूपताओं की ओर संकेत करता है?

9) पुरस्कार कहानी की प्रमुख पात्र 'मधुलिका' का चरित्र चित्रण कीजिए।

(खण्ड – स) **$2 \times 20 = 40$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। शब्द सीमा लगभग 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) वापसी कहानी की कथावस्तु का उल्लेख करते हुए इसके शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

11) निर्मला उपन्यास में प्रेमचन्दद्वारा चित्रित पारिवारिक सामाजिक समस्याओं का विवेचन कीजिए।

12) ''महाभोज का कथानक घटना प्रधान है या चरित्र प्रधान।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

13) टिप्पणी लिखिए (प्रत्येक के 5 अंक हैं।)

क) निर्मला उपन्यास में फ्लैश बैक शैली।

ख) पुरस्कार कहानी में परिवेश (वातावरण)।

ग) ऐतिहासिक उपन्यास।

घ) मनोवैज्ञानिक उपन्यास।